

प्रेषक,

एस0एस0टोलिया,
अनु सचिव,
उत्तरांचल शासन ।

सेवा में,

महासमादेष्टा, होमगार्ड्स एवं
निदेशक, नागरिक सुरक्षा विभाग,
उत्तरांचल, देहरादून ।

गृह अनुभाग-5

देहरादून: दिनांक सितम्बर, 2006

विषय:- होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा विभाग में सिटीजनर्स चार्टर लागू किये जाने के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-सीजी-36/होगा/2006/489, दिनांक 11 सितम्बर, 2006 के माध्यम से शासन को प्रेषित होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा विभाग के सिटीजन चार्टर की एक अभिप्रमाणित प्रतिलिपि प्रेषित करते हुए मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि कृपया उक्त सिटीजनर्स चार्टर को तत्काल लागू कर दिया जाय।

संलग्नक: यथोक्त।

भवदीय,

(एस0एस0टोलिया)
अनु सचिव।

संख्या-1012(1)/XX(5)/06-13विविध/06, तदिदिनांक ।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को उपरोक्त सिटीजनर्स चार्टर की एक प्रतिलिपि संलग्न करते हुए सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- कार्मिक अनुभाग-2, उत्तरांचल शासन।
- 2- सामान्य प्रशासन अनुभाग, उत्तरांचल शासन।

34- एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून *इन्टरनेट पर उपलब्ध करीने हेतु।*

48- गार्ड फाइल।

संलग्नक: यथोक्त।

आज्ञा से,

(एस0एस0टोलिया)
अनु सचिव।

होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा विभाग का सिटीजन चार्टर हेतु विवरण

होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा विभाग एक स्वयं सेवी विभाग है इसका जनता व व्यापार प्रबन्ध से सीधे सम्पर्क नहीं रहता है। सिटीजन चार्टर हेतु निर्धारित सूचनाओं को अपेक्षा के अनुरूप दे पाना कठिन है फिर भी विभाग की व्यवस्था तथा नियमों के अनुरूप सूचनायें निम्न प्रकार हैं :-

1- विभाग का दृष्टिकोण एवं ध्येय (Vision and Mission Statements) :-

होमगार्ड्स विभाग का मुख्य उद्देश्य यह है कि होमगार्ड्स स्वयं सेवकों का एक ऐसा संगठन बनाया जाये जो वर्दीधारी, प्रशिक्षित व अनुशासित हो। इनका कर्तव्य पुलिस बल के सहायक के रूप में काम करना, सार्वजनिक व्यवस्था तथा आंतरिक सुरक्षा बनाये रखना, आपातकाल में कार्य करना, अत्यावश्यक सेवाओं को बनाये रखना तथा लोक कल्याण से सम्बन्धित कार्य निष्काम सेवा भाव से करना है।

(ख) होमगार्ड्स के कर्तव्य एवं ड्यूटियां :-

होमगार्ड्स अधिनियम की धारा 4 के अनुसार होमगार्ड्स के निम्न कर्तव्य हैं:-

- (क) वे पुलिस दल के सहायक के रूप में कार्य करेंगे और अपेक्षा किये जाने पर सार्वजनिक व्यवस्था तथा आन्तरिक सुरक्षा बनाये रखने में सहायता करेंगे।
- (ख) वे हवाई हमलों, आग लगने, बाढ़ आने, महामारी फैलने और अन्य आपातों के समय लोक-समाज की सहायता करेंगे।
- (ग) वे ऐसे विशिष्ट कार्यों के लिये, जो नियत किये जायें, आपातकालीन दल के रूप में कार्य करेंगे।
- (घ) वे अत्यावश्यक सेवाओं के लिये कार्यात्मक इकाइयों की व्यवस्था करेंगे।
- (ङ) वे लोक-कल्याण के किसी कार्य से सम्बद्ध ऐसे अन्य कर्तव्यों का पालन करेंगे जो नियत किये जायें।

उत्तरांचल राज्य के गठन से पूर्व होमगार्ड्स विभाग उत्तर प्रदेश होमगार्ड्स मुख्यालय, लखनऊ के अधीन कार्य करता रहा। होमगार्ड्स स्वयं सेवकों ने शांति व्यवस्था बनाये रखने में जहां पुलिस के सहायक के रूप में मुख्य भूमिका निभाई है वहीं दैवी आपदाओं, विभिन्न विभागों की हड़ताल एवं आन्दोलनों के अवसर पर सार्वजनिक व्यवस्था बनाये रखने में भी महत्वपूर्ण कार्य किये हैं।

सन् 1971 में भारत-पाक युद्ध के अवसर पर होमगार्ड्स स्वयं सेवकों ने सीमा सुरक्षा बल के साथ बंगला देश की लड़ाई में भाग लिया। होमगार्ड्स स्वयं सेवकों ने आतंकवाद ग्रस्त पंजाब तथा तमिलनाडु के विधान सभा निर्वाचनों में अपनी ड्यूटियों का निर्वहन किया तथा अपने राज्य में चुनाव ड्यूटियों को सम्पन्न कराने में भी विशेष योगदान दिया है।

उत्तरांचल राज्य के गठन के बाद उत्तरांचल में पुलिस बल की अत्याधिक कमी की प्रतिपूर्ति के लिये होमगार्ड्स स्वयं सेवकों ने उत्तरांचल के विभिन्न थाना एवं पुलिस चौकियों में अपनी ड्यूटियों के माध्यम से शांति व्यवस्था बनाये रखने में अहम भूमिका निभाई है। सुदूर ग्रामीण पर्वतीय अंचलों में राजस्व पुलिस के साथ भी होमगार्ड्स स्वयं सेवक शांति व्यवस्था बनाये रखने में प्रशासन को विशेष योगदान प्रदान कर रहे हैं। वर्तमान में विधान सभा एवं सचिवालय की सुरक्षा व्यवस्था में भी होमगार्ड्स अपने कर्तव्य का पालन कर रहे हैं। विभिन्न शहरों में होमगार्ड्स स्वयं सेवक यातायात व्यवस्था को सुचारु रूप से बनाये रखने में अपनी ड्यूटियों के माध्यम से महत्वपूर्ण योगदान प्रदान कर रहे हैं। अन्य विभागों एवं प्रतिष्ठानों में जहां कार्मिकों एवं सुरक्षा व्यवस्था की कमी है वहां पर होमगार्ड्स स्वयं सेवक अपने ड्यूटियों के माध्यम से राजकीय कार्यों को सम्पन्न कराने में अपना योगदान दे रहे हैं। यात्रा काल में चारधाम यात्रा एवं मानसरोवर यात्रा मार्गों में भी ड्यूटियां देते हैं।

उत्तरांचल शासन की अधिसूचना संख्या- 459/गृह-3-06/हो0गा0/ 2003 दिनांक 05-03-2004 द्वारा देहरादून में होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा निदेशालय, श्रीनगर व हल्द्वानी में मण्डलीय कमाण्डेंट कार्यालय तथा श्रीनगर व हल्द्वानी में ही जिला प्रशिक्षण केन्द्र एवं सभी 13 जनपदों में जिला कमाण्डेंट होमगार्ड्स कार्यालयों की स्वीकृति है।

राज्य में इस समय होमगार्ड्स स्वयं सेवकों का 6,411 स्वीकृत नियतन है जिसके सापेक्ष 5,372 होमगार्ड्स स्वयं सेवक उपलब्ध हैं। जनपदवार होमगार्ड्स स्वयं सेवकों के स्वीकृत एवं उपलब्ध संख्या का विवरण निम्न प्रकार है:-

क्र.सं.	नाम जनपद	स्वीकृत होमगार्ड्स संख्या	उपलब्ध
1.	अल्मोड़ा	561	369
2.	बागेश्वर	99	98
3.	चम्पावत	132	66
4.	नैनीताल	742	468
5.	पिथौरागढ़	330	180
6.	उधमसिंह नगर	614	579
7.	देहरादून	1088	1077
8.	हरिद्वार	1030	908
9.	टिहरी	429	333
10.	उत्तरकाशी	231	221
11.	चमोली	396	346
12.	पौड़ी	627	431
13.	रूद्रप्रयाग	132	132
	योग	6411	5208

होमगार्ड्स संगठन कम्पनी/प्लाटूनों में गठित है। एक कम्पनी में एक अवैतनिक कम्पनी कमाण्डर, एक सहायक कम्पनी कमाण्डर, तीन अवैतनिक प्लाटून कमाण्डर तथा शेष होमगार्ड्स होते हैं। उत्तरांचल के पर्वतीय जनपदों में प्लाटूनों तथा मैदानी जनपदों में कम्पनियों के आधार पर होमगार्ड्स की संरचना है। एक कम्पनी में कुल 103 होमगार्ड्स स्वयं सेवक होते हैं।

होमगार्ड्स स्वयं सेवकों के गठन, प्रशिक्षण व कार्य संचालन हेतु होमगार्ड्स विभाग में राजपत्रित व अराजपत्रित विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों के पद स्वीकृत हैं। उत्तरांचल में कुल 262 स्वीकृत पदों के सापेक्ष केवल 115 कार्मिक ही उपलब्ध हैं।

निदेशालय, मण्डलीय कमाण्डेन्ट, जिला कमाण्डेन्ट तथा कमाण्डेन्ट, जिला प्रशिक्षण केन्द्रों हेतु स्वीकृत तथा उपलब्ध कार्मिकों का विवरण निम्न प्रकार है :-

निदेशालय :-

क्र.सं.	पदनाम	स्वीकृत	उपलब्ध	रिक्त
1.	कमाण्डेन्ट जनरल	1	1	—
2.	डिप्टी कमाण्डेन्ट जनरल	1	—	1
3.	वरिष्ठ स्टाफ अधिकारी	1	—	1
4.	वैयक्तिक सहायक	1	—	1
5.	अधीक्षक	1	—	1
6.	वरिष्ठ लिपिक	2	—	2
7.	कनिष्ठ लिपिक	4	3	1
8.	चालक	2	2	—
9.	आशुलिपिक	2	—	2
10.	चतुर्थ श्रेणी	4	2	2
11.	जिला कमाण्डेन्ट	15	6	9

मण्डल स्तर :-

मण्डलीय कार्यालय, हल्द्वानी :-

क्र.सं.	पदनाम	स्वीकृत	उपलब्ध	रिक्त
1.	मण्डलीय कमाण्डेन्ट	1	—	1
	मण्डलीय कमाण्डेन्ट का कार्य गढ़वाल मण्डल द्वारा देखा जा रहा है			
2.	चालक	1	—	1
3.	आशुलिपिक	1	—	1
4.	चतुर्थ श्रेणी	1	1	—

मण्डलीय कार्यालय, श्रीनगर :-

क्र.सं.	पदनाम	स्वीकृत	उपलब्ध	रिक्त
1.	मण्डलीय कमाण्डेन्ट	1	1	—
2.	चालक	1	—	1
3.	आशुलिपिक	1	1	—
4.	चतुर्थ श्रेणी	1	—	1

जिला प्रशिक्षण केन्द्र, हल्द्वानी :-

क्र.सं.	पदनाम	स्वीकृत	उपलब्ध	रिक्त
1.	कमाण्डेन्ट	1	—	1
2.	वैतनिक निरीक्षक	2	1	1
3.	वैतनिक प्लाटून कमाण्डर	3	1	2
4.	हवलदार प्रशिक्षक	17	3	14
5.	कनिष्ठ लिपिक	4	2	2
6.	चालक	1	1	—
7.	चतुर्थ श्रेणी	19	9	10

जिला प्रशिक्षण केन्द्र, श्रीनगर :-

क्र.सं.	पदनाम	स्वीकृत	उपलब्ध	रिक्त
1.	कमाण्डेन्ट	1	1	—
2.	वैतनिक निरीक्षक	2	1	1
3.	वैतनिक प्लाटून कमाण्डर	3	1	2
4.	हवलदार प्रशिक्षक	17	—	17
5.	कनिष्ठ लिपिक	4	—	4
6.	चालक	1	1	—
7.	चतुर्थ श्रेणी	19	9	10

जनपद कार्यालय नैनीताल :-

क्र.सं.	पदनाम	स्वीकृत	उपलब्ध	रिक्त
1.	जिला कमाण्डेन्ट	1	1	—
2.	वैतनिक प्लाटून कमाण्डर	2	1	1
3.	ब्लॉक आर्गनाईजर	2	2	—
4.	वरिष्ठ लिपिक	1	—	1
5.	कनिष्ठ लिपिक	3	2	1
6.	चालक	1	1	—
7.	चतुर्थ श्रेणी	5	2	3

जनपद कार्यालय ऊधमसिंहनगर :-

क्र.सं.	पदनाम	स्वीकृत	उपलब्ध	रिक्त
1.	जिला कमाण्डेन्ट	1	—	1
2.	वैतनिक प्लाटून कमाण्डर	2	2	—
3.	ब्लॉक आर्गनाईजर	4	2	2
4.	वरिष्ठ लिपिक	1	—	1
5.	कनिष्ठ लिपिक	3	3	—
6.	चालक	1	1	—
7.	चतुर्थ श्रेणी	7	2	5

जनपद कार्यालय अल्मोड़ा :-

क्र.सं.	पदनाम	स्वीकृत	उपलब्ध	रिक्त
1.	जिला कमाण्डेन्ट	1	—	1
2.	वैतनिक प्लाटून कमाण्डर	2	1	1
3.	कनिष्ठ लिपिक	1	1	—
4.	चालक	1	—	1
5.	चतुर्थ श्रेणी	2	1	1

जनपद कार्यालय पिथौरागढ़ :-

क्र.सं.	पदनाम	स्वीकृत	उपलब्ध	रिक्त
1.	जिला कमाण्डेन्ट	1	—	1
2.	वैतनिक प्लाटून कमाण्डर	2	1	1
3.	ब्लॉक आर्गनाईजर	—	1	—
4.	कनिष्ठ लिपिक	1	1	—
5.	चालक	1	—	1
6.	चतुर्थ श्रेणी	2	2	—

जनपद कार्यालय पौड़ी :-

क्र.सं.	पदनाम	स्वीकृत	उपलब्ध	रिक्त
1.	जिला कमाण्डेन्ट	1	1	—
2.	वैतनिक प्लाटून कमाण्डर	2	1	1
3.	ब्लॉक आर्गनाईजर	—	1	—
4.	कनिष्ठ लिपिक	1	1	—
5.	चालक	1	—	1
6.	चतुर्थ श्रेणी	2	2	—

जनपद कार्यालय टिहरी :-

क्र.सं.	पदनाम	स्वीकृत	उपलब्ध	रिक्त
1.	जिला कमाण्डेन्ट	1	1	—
2.	वैतनिक प्लाटून कमाण्डर	2	1	1
3.	कनिष्ठ लिपिक	1	1	—
4.	चालक	1	—	1
5.	चतुर्थ श्रेणी	2	1	1

जनपद कार्यालय देहरादून :-

क्र.सं.	पदनाम	स्वीकृत	उपलब्ध	रिक्त
1.	जिला कमाण्डेन्ट	1	1	—
2.	वैतनिक निरीक्षक	—	1	—
3.	वैतनिक प्लाटून कमाण्डर	1	1	—
4.	ब्लॉक आर्गनाईजर	2	2	—
5.	हवलदार प्रशिक्षक	2	—	2
6.	वरिष्ठ लिपिक	1	1	—
7.	कनिष्ठ लिपिक	4	4	—
8.	चालक	1	1	—
9.	चतुर्थ श्रेणी	7	4	3

जनपद कार्यालय हरिद्वार :-

क्र.सं.	पदनाम	स्वीकृत	उपलब्ध	रिक्त
1.	जिला कमाण्डेन्ट	1	1	—
2.	वैतनिक निरीक्षक	—	1	—
3.	वैतनिक प्लाटून कमाण्डर	4	3	1

5.	हवलदार प्रशिक्षक	2	—	2
6.	वरिष्ठ लिपिक	1	—	1
7.	कनिष्ठ लिपिक	5	2	3
8.	चालक	1	1	—
9.	चतुर्थ श्रेणी	10	3	7

जनपद कार्यालय उत्तरकाशी :-

क्र.सं.	पदनाम	स्वीकृत	उपलब्ध	रिक्त
1.	जिला कमाण्डेन्ट	1	—	1
2.	वैतनिक प्लाटून कमाण्डर	2	—	1
3.	ब्लॉक आर्गनाइजर	—	1	—
4.	कनिष्ठ लिपिक	1	1	—
5.	चालक	1	—	1
6.	चतुर्थ श्रेणी	2	1	1

जनपद कार्यालय चमोली :-

क्र.सं.	पदनाम	स्वीकृत	उपलब्ध	रिक्त
1.	जिला कमाण्डेन्ट	1	—	1
2.	वैतनिक प्लाटून कमाण्डर	2	2	—
3.	कनिष्ठ लिपिक	1	1	—
4.	चालक	1	1	—
5.	चतुर्थ श्रेणी	2	2	—

जनपद कार्यालय रुद्रप्रयाग :-

क्र.सं.	पदनाम	स्वीकृत	उपलब्ध	रिक्त
1.	जिला कमाण्डेन्ट	1	—	1
2.	वैतनिक प्लाटून कमाण्डर	1	—	1
3.	कनिष्ठ लिपिक	1	—	1
4.	चालक	1	—	1
5.	चतुर्थ श्रेणी	1	1	—

जनपद कार्यालय बागेश्वर :-

क्र.सं.	पदनाम	स्वीकृत	उपलब्ध	रिक्त
1.	जिला कमाण्डेन्ट	1	—	1
2.	वैतनिक प्लाटून कमाण्डर	2	—	2
3.	कनिष्ठ लिपिक	1	—	1
4.	चालक	1	—	1
5.	चतुर्थ श्रेणी	1	—	1

(एन० एन० डी० एल०)
कनिष्ठ

जनपद कार्यालय चम्पावत :-

क्र.सं.	पदनाम	स्वीकृत	उपलब्ध	रिक्त
1.	जिला कमाण्डेन्ट	1	—	1
2.	वैतनिक प्लाटून कमाण्डर	2	1	1
3.	कनिष्ठ लिपिक	1	—	1
4.	चालक	1	—	1
5.	चतुर्थ श्रेणी	1	1	—

नागरिक सुरक्षा

[1] परिचय:- (संक्षिप्त इतिहास) :-

द्वितीय विश्व युद्ध के समय "एयररेड प्रीकोशन" नामक संस्था कार्यरत थी जिसे भारत की स्वतन्त्रता के पश्चात गृह मंत्रालय भारत सरकार के अधीन एक सेल के रूप में रखते हुए मृत प्रायः रखा गया। किन्तु 1962 में चीन के आक्रमण के पश्चात नागरिक सुरक्षा (सिविल डिफेंस) का प्रादुर्भाव वर्तमान स्वरूप में हुआ। वर्ष 1999 की नवीनतम सूची में भारत वर्ष के कुल 225 नगरों में नागरिक सुरक्षा इकाईयां स्थापित की गयी। उत्तरांचल में मात्र देहरादून नगर ही नागरिक सुरक्षा के श्रेणीबद्ध नगरों की सूची में है जो वर्ष 1970 से कार्यरत है।

नागरिक सुरक्षा विभाग को वैधानिकता प्रदान करने के लिये भारत की संसद में नागरिक सुरक्षा अधिनियम 1968(27वां) अधिनियम पारित किया। जिसने भारत रक्षा अधिनियम 1962(51वां) स्थान लिया यह अधिनियम समस्त भारत में प्रवर्त हुआ।

[2] संगठन :-

(अ) केन्द्रीय स्तर पर :-

यह विभाग गृह मंत्रालय भारत सरकार के अधीन कार्य करता है।

1- नागरिक सुरक्षा की एडवाइजरी कमेटी :-

इस कमेटी के अध्यक्ष गृह मंत्री भारत सरकार होते हैं तथा वित्त, रक्षा, कृषि, गृह राज्यमंत्री, नागरिक सुरक्षा मंत्री, राज्यों के मुख्य सचिव, पुलिस के महानिदेशक, निदेशक नागरिक सुरक्षा महाविद्यालय नागपुर, इसके सदस्य होते हैं तथा महानिदेशक नागरिक सुरक्षा सदस्य सचिव होते हैं।

2- सिविल डिफेंस कमेटी:-

इस कमेटी के सदस्य अन्य मंत्रालयों के सचिव होते हैं जिसकी अध्यक्षता गृह सचिव भारत सरकार करते हैं।

3- सिविल डिफेंस ज्वॉइन्ट प्लानिंग स्टाफ:-

इसके अध्यक्ष महानिदेशक नागरिक सुरक्षा तथा विभिन्न मंत्रालयों के उप सचिव स्तर के अधिकारी इसके सदस्य होते हैं।

4- महानिदेशक नागरिक सुरक्षा :-

महानिदेशक नागरिक सुरक्षा गृह मंत्रालय भारत सरकार के अन्तर्गत नागरिक सुरक्षा, होमगार्ड्स तथा अग्निशमन सेवा के कार्यों को देखते हैं।

(ब) राज्य स्तर पर:-

यह विभाग राज्य स्तर पर भी गृह मंत्रालय राज्य सरकार के अधीन रहता है तथा गृह मंत्री स्वयं विभागीय मंत्री होते हैं या अलग से भी नागरिक सुरक्षा एवं होमगार्ड्स मंत्री नियुक्त किये जाते हैं। पुलिस महानिदेशक स्तर के एक अधिकारी को निदेशक नागरिक सुरक्षा नियुक्त किया जाता है। राज्य सरकार

करना, धन की व्यवस्था करना, जनशक्ति की व्यवस्था करना, एवं आवश्यक साज-सज्जा एवं उपकरणों को उपलब्ध कर विभिन्न इकाइयों को वितरित करना तथा सामान्य प्रशासन।

(स) नगर स्तर पर:-

नागरिक सुरक्षा का तृतीय स्तर जिला स्तर का न होकर नगर स्तर है। नागरिक सुरक्षा अधिनियम 1968 के प्रावधानों के अनुसार जिलाधिकारी को नियंत्रक के रूप में नियुक्त करने का प्रावधान है। जिसके मार्ग दर्शन पर उपनियंत्रक, नागरिक सुरक्षा का कार्य, सम्पादित करते हैं।

“भारत में नागरिक सुरक्षा के सामान्य सिद्धांत” नामक हस्त पुस्तिका तथा कम्पैडियम ऑफ इन्स्ट्रक्शन ऑन सिविल डिफेंस” 2004 के अनुसार नागरिक सुरक्षा सम्बन्धित कार्यों की जिम्मेदारी उन समस्त विभागों पर डालने के निर्देश हैं जो सामान्यतः शक्तिकाल में वैसा ही कार्य करते हैं। अर्थात् युद्ध काल में उनके कार्य उनके शान्तिकालीन कार्यों का ही विस्तार है। नागरिक सुरक्षा की बारह सेवायें गठित की जाती हैं। जो निम्न प्रकार हैं:-

1- मुख्यालय सेवा :-

जिलाधिकारी एवं नियंत्रक नागरिक सुरक्षा इस सेवा के आफिसर कमांडिंग होते हैं। उनके अधीन एक पूर्णकालीन अधिकारी उपनियंत्रक के रूप में कार्यकरते हैं। इस सेवा का कार्य शरीर में मस्तिष्क के समान है। जो समस्त संगठन का संचालन एवं नियंत्रण करता है।

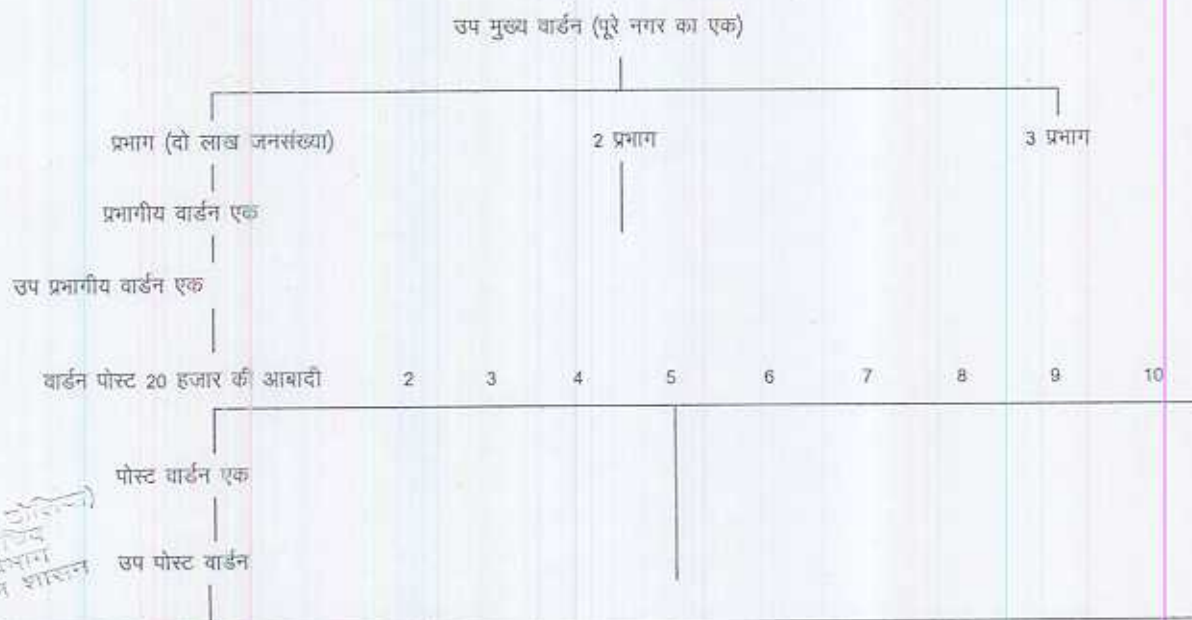
2- संचार सेवा :-

यह सेवा शरीर में तंत्रिका तंत्र के समान ही कार्य करती है। इस सेवा का कार्य युद्ध में सीमा से बाह्य चेतावनी प्रणाली के अन्तर्गत हवाई हमले की सूचना प्राप्त करना तथा आन्तरिक चेतावनी प्रणाली के अन्तर्गत हवाई हमला प्राप्त संदेश को नागरिकों में प्रसारित करना है। बम्बिंग के पश्चात् दुर्घटना स्थल से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर आकलन करना तथा नियंत्रक के आदेश एवं विभिन्न सहायता दलों को घटना स्थल पर भेजना।

उक्त कार्यों के संचालन हेतु बाह्य चेतावनी प्रणाली के अन्तर्गत एच.एफ.सेट तथा लाईन टेलीफोन का प्रयोग किया जाता है तथा आन्तरिक चेतावनी प्रणाली के अन्तर्गत हवाई हमले की सूचना प्रसारित करने के लिये विद्युत सायरनों का प्रयोग किया जाता है। जिनको प्रचलित करने की एक केन्द्रीय व्यवस्था भारत संचार निगम लि० के सहायोग से की जाती है।

3 वार्डन सेवा :-

मुख्य वार्डन (पूरे नगर का एक)



वार्डन सेवा नागरिक सुरक्षा का मैरूदण्ड है यह पूर्णरूपेण स्वयं सेवकों को भर्ती करते हुये गठित की जाती है। इसे प्रशासन के आंख व कान तथा जनता के मित्र पथ प्रदर्शक तथा दार्शनिक भी कहते हैं। इसके कार्य निम्न प्रकार हैं:-

- 1- अपने-अपने क्षेत्रों में अपने अधीनस्थ वार्डनों की भर्ती करना।
- 2- नागरिक सुरक्षा की अन्य सेवाओं में भर्ती में सहयोग देना।
- 3- सभी भर्ती स्वयं सेवकों को प्रशिक्षित करना।
- 4- गृह विवरण पंजिकाओं को पूर्ण करना।
- 5- हवाई हमले से बचाव के प्रदर्शन में भाग लेना।
- 6- आपात काल में ब्लेक आऊट को प्रभावी बनाना।
- 7- यदि हवाई आक्रमण होता है तो छोटी-छोटी आगों को बुझाना, घायलों को प्राथमिक सहायता देना तथा नियंत्रण कक्ष को सूचित करना, जनता का मनोबल बनाये रखना।
- 8- बेघर-बार लोगो के लिये रहने व खाने की अस्थाई व्यवस्था करना।

आपात काल के अतिरिक्त शान्ति काल में भी वार्डन सेवा के सदस्य बराबर प्रशिक्षण एवं प्रदर्शनों में भाग लेते रहते हैं।

9- शांति काल में वार्डन सेवा के सदस्य जिला प्रशासन को विभिन्न कार्यों में निःशुल्क सहाय्योग प्रदान करते हैं। यथा-वृक्षारोपण, राष्ट्रीय बचत, पल्स पोलियो अभियान, यातायात व्यवस्था को सुचारु रूप से चलाने में पुलिस को सक्रिय सहाय्योग, इसी सम्बन्ध में विभिन्न स्कूलों और कालेजों में गोष्ठियों का आयोजन, स्वच्छता अभियान में योगदान, कुष्ठ निवारण हेतु रोगियों की पहचान इत्यादि अनेक कार्यों में वार्डन सेवा के सदस्य अपनी सेवाये अर्पित करते हैं जो उनके द्वारा युद्ध कालीन परिस्थितियों में दी जाने वाली सेवाओं से सर्वथा भिन्न है।

4 हताहत सेवा :-

इस सेवा का मुख्य कार्य बम्बिंग के पश्चात घायल हुये नागरिकों को चिकित्सकीय सहाय्यता देना है। मुख्य चिकित्साधिकारी को इस सेवा का समादेशाधिकारी नियुक्त किया जाता है।

आपातकाल में हवाई आक्रमण के फलस्वरूप हताहतों की संख्या काफी हो सकती है। इसलिये विद्यमान अस्पतालों को ही आपातकालीन अस्पताल के रूप में चिन्हित किया जाता है। नागरिक सुरक्षा संगठन द्वारा स्वयं सेवकों को प्राथमिक सहाय्यता का प्रशिक्षण भी दिया जाता है ताकि वे आवश्यकता पड़ने पर अपने प्रशिक्षण का उपयोग कर सकें। इस सेवा के अन्तर्गत निम्नलिखित इकाईयाँ गठित की जाती हैं।

(अ) आपातकालीन अस्पताल।

(ब) प्राथमिक सहाय्यता दल।

(स) स्थिर प्राथमिक चिकित्सा चौकी:-

प्रथम 2 लाख की आबादी पर प्रत्येक 20 हजार की आबादी के लिये एक प्राथमिक चौकी स्थापित की जाती है। तत्पश्चात प्रत्येक 40 हजार की आबादी के लिये प्राथमिक चिकित्सा चौकी की स्थापना की जाती है। इन चौकियों पर डॉक्टर, प्राथमिक चिकित्सा सहायक, नर्स, कलर्क, संदेश वाहक तथा सफाई कर्मचारी नियुक्त किये जाते हैं।

(द) एम्बुलैन्स :-

रोगी वहानों की व्यवस्था 2 रोगी वाहन प्रति 5 स्थिर प्राथमिक चौकी के हिसाब से की जाती है। इसके अलावा एक रोगी वाहन प्रति 3 प्राथमिक सहाय्यता दल के लिये अलग से की जाती है।

(य) संचल प्राथमिक चिकित्सा चौकी:-

घटना स्थल पर तुरन्त चिकित्सकीय सहाय्यता उपलब्ध कराने के लिये एक संचल प्राथमिक चिकित्सा चौकी की व्यवस्था की जाती है, जो प्रति 6 लाख पर एक होती है।

संदेश वाहक
अनुसंधान
गृह विभाग
उत्तराखण्ड शासन

(र) सचल शल्य चिकित्सा चौकी :-

घटना स्थल पर ही शल्य चिकित्सा उपलब्ध हो इस हेतु प्रति 6 लाख से 10 लाख की आबादी के लिये एक ऐसी चौकी को गठित किये जाने का प्रावधान है।

5 अग्नि शमन सेवा :-

अग्नि बमों के कारण लगने वाली आगों तथा स्वयं अग्नि बमों को बुझाने के लिये अग्नि शमन सेवा का गठन किया गया है।

1- गृह अग्नि शमन दल:-

प्रत्येक एक हजार की आबादी के लिये 4 सदस्यों का अग्नि शमन दल गठित किया जाता है। जो छोटी-छोटी आगों को बुझाने का काम करेंगे।

2- ट्रेलर पम्प पार्टी :-

प्रत्येक 50 हजार की आबादी के हिसाब से 6 सदस्यों का एक दल गठित किया जाता है। यह सदस्य होमगार्ड्स से लिये जाते हैं।

अग्नि शमन सेवा का समादेशाधिकारी मुख्य अग्नि शमन अधिकारी को बनाया गया है।

6 प्रशिक्षण सेवा :-

इस सेवा के अन्तर्गत नागरिक सुरक्षा से सम्बन्धित सभी सेवाओं का प्रशिक्षण स्वयं सेवकों, एन0सी0सी0 कैडेट्स, स्कूल कॉलेजों के छात्रों तथा राजकीय विभागों के कर्मचारियों को दिया जाता है। सामान्य प्रशिक्षण के अतिरिक्त सेवाओं के विशेष प्रशिक्षण भी आयोजित किये जाते हैं। मुख्य रूप से वार्डन सेवा, अग्नि शमन सेवा, प्राथमिक सहायता तथा बचाव सेवा के प्रशिक्षण दिये जाते हैं।

7 बचाव सेवा :-

इस सेवा को अभियंत्रण सेवा भी कहते हैं। इस सेवा का मुख्य कार्य बम्बिंग के पश्चात धराशायी भवनों में फंसे व्यक्तियों को निकालना है। इस सेवा का अफिसर कमाण्डिंग अधिशासी अभियन्ता लोक निर्माण विभाग को इसी लिये बनाया जाता है कि ताकि वे भवन निर्माण को देखते हुये आसानी से बचाव कार्य करा सकें। इस सेवा में 50 हजार की आबादी पर 8 सदस्यों का एक बचाव दल गठित किया जाता है। जिसमें अवर अभियन्ता-लीडर, होमगार्ड के 6 सदस्य तथा 1 ड्राईवर सम्मिलित होगा। इस सेवा का कार्य घायलों को मलवे से निकालना ही नहीं अपितु भवनों को अस्थाई आधार देना तथा खतरनाक स्थिति में जो भवन हों उन्हें गिरा देना भी है।

8 डिपों तथा परिवहन सेवा :-

आपातकाल में विभिन्न सहायता दलों को घटना स्थल पर पहुंचाने के लिये गाड़ियों की आवश्यकता होगी इस हेतु विभिन्न प्रकार के वाहनों की व्यवस्था करने के लिये संभागीय परिवहन अधिकारी जो इस सेवा का समादेशाधिकारी नियुक्त किया गया है। उनके द्वारा शान्तिकाल में ही ऐसे वाहनों को चिन्हित कर नागरिक सुरक्षा योजना में सम्मिलित कराने हेतु सूची उपलब्ध करा दी जाती है जिस का प्रति वर्ष सत्यापन भी किया जाता है।

9 कल्याणकारी सेवा :-

युद्धकाल में हवाई आक्रमण के परिणाम स्वरूप कई क्षेत्रों में लोग बेघर-बार हो सकते हैं क्योंकि या तो उनके भवन क्षतिग्रस्त हो चुके होंगे अथवा क्षेत्र में यू0एक्स0बी0 (अविस्फोटित बम) पड़ा हो सकता है। जिसका निस्तारण सेना का बम्ब निरोधी दस्ता ही कर सकेगा। ऐसी अवस्था में नागरिकों को कई अन्यत्र अस्थाई शरण देने की व्यवस्था की जानी होगी। तब तक के लिये उनके रहने व खाने, कपड़ों तथा मनोरंजन इत्यादि की व्यवस्था कल्याणकारी सेवा का ही दायित्व होगा।

30 एस० (टोलिना)
अनु सचिव
गृह विभाग
उत्तराखण्ड शासन

10 पूर्ति सेवा :-

उक्त वर्णित कल्याणकारी सेवा को शरण गृहों में विस्थापितों के लिये समस्त खाद्यान एवं आवश्यक उपयोग की वस्तुओं को उपलब्ध कराने का दायित्व पूर्ति सेवा का होगा।

11 उद्धार सेवा :-

यह भी सम्भावना हो सकती है कि बम वर्षा के कारण कोई भवन पूर्ण रूप से ध्वस्त हो जाये और उसमें रहने वाले सभी प्राणियों की मृत्यु हो जाये अथवा उस भवन में उस समय ऐसे भवन का स्वामी परिवार सहित कहीं अन्यत्र गया हो ऐसी दश में बचाव दल द्वारा जो भी सामान निकाला जाये उसकी सूची बनाकर सुरक्षित रखा जाये और भवन के स्वामी अथवा वैधानिक उत्तराधिकारी के आने के पश्चात उसको सौंप दिया जाये।

12 शव निस्तारण सेवा:-

इस सेवा का गठन इस उद्देश्य से किया गया है कि ताकि युद्ध के समय ऐसे मृतक व्यक्तियों का अन्तिम संस्कार उनके धर्मानुसार किया जाये जो लावारिस हों। साथ ही मृतक पशुओं का निस्तारण भी यथा समय किया जा सके ताकि बीमारियां न फैलें।

[3] परिभाषा :-

नागरिक सुरक्षा उन समस्त उपायों को कहते हैं जो युद्ध काल में दुश्मन द्वारा हवाई हमले के द्वारा जनधन पर डाले गये कुप्रभावों को प्रशासन व जनता के द्वारा मिलकर किये जाते हैं। ताकि सीमा पर युद्धरत सेना विजय प्राप्त कर सके। वास्तव में यह संगठन जनता की रक्षा के लिये जनता का संगठन है।

[4] उद्देश्य :-

- 1- जीवन रक्षा करना।
- 2- सम्पत्ति की रक्षा।
- 3- उत्पादन की निरन्तरता बनाये रखना।
- 4- जनता का मनोबल बनाये रखना।

[5] सिद्धान्त :-

- 1- स्वयं सेवी स्वरूप।
- 2- स्वयं सहायता।
- 3- आत्म निर्भरता
- 4- पारस्परिक सहयोग।
- 5- समन्वय।
- 6- तात्कालिक व्यवस्था।
- 7- आवश्यक सेवाओं का अनुरक्षण
- 8- राजकीय तथा अर्द्धराजकीय विभागों एवं उनके कर्मचारियों का योगदान।
- 9- अराजनैतिक मंच।
- 10- पूर्व योजना एवं पूर्व तैयारी।
- 11- जनता का मनोबल।
- 12- समय का महत्व।
- 13- मानव जीवन का मूल्य।

डिप्टी सचिव
गृह विभाग
उत्तरांचल शासन

[6] नागरिक सुरक्षा के उपाय :-

1- रक्षात्मक उपाय :-

नागरिक सुरक्षा सम्बन्धी विषयों का प्रशिक्षण, हवाई हमले से बचाव के अभ्यास एवं प्रदर्शन, ब्लैक आउट, अभ्यास, खाइयों का खोदना तथा शरण गृहों का निर्माण।

2- नियंत्रण का उपाय :-

छोटी-छोटी आगों को बुझाना, घायलों को प्राथमिक सहायता देना, गम्भीर घायलों को अस्पताल में भर्ती कराना, मृतकों का धर्मानुसार अंतिम संस्कार कराना, घायलों को मलवे से निकालना।

3- पुनः स्थापना :-

इसके अन्तर्गत तमाम नागरिक गतिविधियों को पूर्व अवस्था में लाना, यथा-औद्योगिक धन्धों को चालू करना, आवश्यक सेवाओं को बहाल करना, बेघर बार हुये लोगों को शरण देना इत्यादि, अर्थात् युद्धपूर्व की अवस्था ले आना।

नागरिक सुरक्षा कार्यालय देहरादून में स्वीकृत पदों के सापेक्ष उपलब्ध कार्मिकों का विवरण निम्न प्रकार है :-

वैतनिक स्टाफ का विवरण :-

क्र.सं.	पद नाम	स्वीकृत पद	उपलब्ध पद	रिक्त
1.	2.	3.	4.	5.
1.	उपनियंत्रक	1	1	0
2.	सहायक उपनियंत्रक (वरिष्ठ वेतनमान)	1	1	0
3.	सहायक उपनियंत्रक	3	2	1
4.	स्टोर अधीक्षक	1	1	0
5.	वायरलेस आपरेटर	1	1	0
6.	आशुलिपिक	1	0	1
7.	लेखालिपिक	1	0	1
8.	कनिष्ठ लिपिक	3	3	0
9.	स्टोरमैन	2	0	2
10.	डिस्पैच राइडर	1	0	1
11.	अर्दली	1	1	0
12.	चौकीदार	2	1	1
13.	संदेश वाहक	2	1	1
14.	चालक	1	1	0
	योग	21	13	8

१ एस० टी० (सी०)
अनु. निदेश
मह. विमान
उपनि. विमान

नागरिक सुरक्षा स्वयं सेवकों का विवरण :-

क्र०सं०	सेवा का नाम	स्वीकृत	उपलब्ध	रिक्त
1.	मुख्यालय सेवा	4	4	0
2.	वार्डन सेवा	402	299	103
3.	प्राथमिक चिकित्सा सेवा	520	520	0
4.	प्रशिक्षण सेवा	10	6	4
5.	संचार सेवा	53	46	7
6.	1. घरेलू अग्नि शमन	2200	2097	103
	2. सहायक अग्नि शमन	100	90	10
7.	बचाव सेवा	95	85	10
8.	कल्याण सेवा	157	157	0
9.	पूति सेवा	15	15	0
10.	डिपो तथा परिवहन सेवा	35	33	2
11.	साल्वेज सेवा	21	21	0
12.	शव निस्तारण सेवा	16	16	0
	योग	3628	3389	239

2- संगठन का व्यापार एवं भुगतान प्रबन्ध (Details of business transacted by the organisation) :-

होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा विभाग एक स्वयं सेवी विभाग है। इसमें विभागीय आय के श्रोत केवल शासन से आवंटित अनुदान के माध्यम से होता है।

होमगार्ड्स विभाग को अनुदान संख्या 06 लेखा शीर्षक 2070-अन्य प्रशासनिक सेवाये 107-होमगार्ड्स के 03-सामान्य अधिष्ठान वाला व्यय, 04- भारत के आंशिक प्रतिपूर्ति किये जाने वाला व्यय तथा 08-नव सृजित जनपद के अन्तर्गत इस वित्तीय वर्ष में शासन से बजट आवंटित हुई है। जिनकी मदें व आवंटित धनराशि निम्नप्रकार है:-

03-सामान्य अधिष्ठान वाला व्यय:-

क्र.सं.	मद का नाम	शासन से स्वीकृत होने वाली धनराशि
1	02-मजदूरी	75000000
2	04-यात्रा भत्ता	300000
3	06-अन्य भत्ते	30000
4	07-मानदेय	800000
5	08-कार्यालय व्यय	50000
6	11-लेखन सामग्री	50000
7	12-कार्यालय फर्नीचर	100000
8	15-गाड़ियों का ईंधन	200000
9	17-किराया उपशुल्क	900000
10	22-आतिथ्य व्यय	25000
11	23-गुप्त सेवा	50000
12	25-घुनिर्माण	50000
13	29-अनुरक्षण	5000
14	46-कम्प्यूटर हार्डवेयर	100000
15	47-कम्प्यूटर अनुरक्षण	50000

(संलग्नक संख्या 06/2070-अन्य प्रशासनिक सेवाये 107-होमगार्ड्स के 03-सामान्य अधिष्ठान वाला व्यय, 04- भारत के आंशिक प्रतिपूर्ति किये जाने वाला व्यय तथा 08-नव सृजित जनपद के अन्तर्गत इस वित्तीय वर्ष में शासन से बजट आवंटित हुई है।)

04-भारत सरकार से आंशिक प्रतिपूर्ति किये जाने वाला व्यय :-

क्र.सं.	भद का नाम	शासन द्वारा अवमुक्त
1	01-वेतन	7200000
2	03-महंगाई भत्ता	1860000
3	04-यात्रा भत्ता	300000
4	05-स्था0 यात्रा भत्ता	100000
5	06-अन्य भत्ते	850000
6	08-कार्यालय व्यय	60000
7	09-विद्युत व्यय	300000
8	10-जलकर	15000
9	11-लेखन सामग्री	30000
10	12-कार्यालय फर्नीचर	400000
11	13-टेलीफोन	200000
12	14-मोटर गाड़ियों का कय	0
13	15-गाड़ियों का अनु0	250000
14	21-छात्रवृत्ति एवं छात्र वेतन	0
15	26-मशीन साज- सज्जा	250000
16	27-चिकित्सा प्रतिपूर्ति	70000
17	31-सामग्री समपूर्ति	1050000
18	42-अन्य व्यय	25000
19	44-प्रशिक्षण	650000
20	45-अवकाश यात्रा व्यय	0
21	46-कम्प्यूटर हार्डवेयर कय	350000
22	47-कम्प्यूटर अनुरक्षण	100000
23	48-महंगाई वेतन	3600000
	योग	17660000

प्रति 1000 टॉन्स (1000 टॉन्स)
अनु. विभाग
गृह विभाग
उत्तराखण्ड शासन

08-नवसृजित जनपद

क्र.सं.	भद का नाम	शासन द्वारा अवमुक्त
1	01-वेतन	530000
2	03-महंगाई भत्ता	159000
3	04-यात्रा भत्ता	25000
4	05-स्था0 यात्रा भत्ता	20000
5	06-अन्य भत्ते	80000
6	08-कार्यालय व्यय	20000
7	09-विद्युत व्यय	30000
8	10-जलकर	20000
9	11-लेखन सामग्री	50000
10	13-टेलीफोन	60000
11	14-मोटर गाड़ियों का कय	0
12	15-गाड़ियों का अनु0	50000
13	17-किराया उपशुल्क	300000
14	21-छात्रवृत्ति एवं छात्र वेतन	0
15	27-चिकित्सा प्रतिपूर्ति	40000
16	31-सामग्री सम्पूर्ति	300000
17	42-अन्य व्यय	20000
18	44-प्रशिक्षण	30000
19	48-महंगाई वेतन	265000
	योग	1999000

(सह-प्रमुख टोलिजा)
अनु. सचिव
गह विभाग
उत्तरांचल शासन

नागरिक सुरक्षा

वर्ष 2005-06

मद का नाम	आवंटित बजट
01-वेतन	825000
02-मजदूरी	100000
03-महंगाई भत्ता	248000
04-यात्रा भत्ता	30000
05-स्था0 यात्रा भत्ता	10000
06-अन्य भत्ते	130000
08-कार्यालय व्यय	15000
09-विद्युत व्यय	60000
10-जलकर	0
11-लेखन सामग्री	10000
12-कार्यालय फर्नीचर	0
13-टेलीफोन	20000
14-मोटर गाड़ियों का कय	0
15-गाड़ियों का अनु0	50000
17- किराया उपशुल्क	100000
26-मशीन साज- सज्जा	10000
27-चिकित्सा प्रतिपूर्ति	12000
42-अन्य व्यय	10000
44-प्रशिक्षण	25000
45-अवकाश यात्रा व्यय	30000
46-कम्प्यूटर हार्डवेयर कय	50000
47-कम्प्यूटर अनुरक्षण	5000
48-महंगाई वेतन	413000
कुल योग	2153000


जिला एग्जिक्यूटिव
अनु सचिव
मह. विभाग
समाजिक शासन

शासन से उक्त आवंटित अनुदान को इस निदेशालय स्तर से विभाग के अधीनस्थ इकाईयों को कार्यालय कार्यों के संचालन, कार्मिकों के वेतन, होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा विभाग के स्वयं सेवकों को उनके ड्यूटी एवं प्रशिक्षण भुगतान हेतु आवंटित किया जाता है। प्रत्येक जनपद में जिला कमाण्डेन्ट होमगार्ड्स आहरण वितरण अधिकारी होते हैं। वे शासकीय नियमों के अनुरूप आवंटित बजट को आहरित कर वितरण का कार्य भी करते हैं।

3- ग्राहकों का विवरण (Details of clients) :-

होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा विभाग के ग्राहक मुख्य रूप से प्रशासनिक विभाग हेतु पुलिस अधीक्षकों एवं जिलाधिकारियों के मांग के अनुरूप शान्ति एवं प्रशासनिक व्यवस्था बनाये रखने के लिये तैनात किया जाता है तथा इसके अतिरिक्त अन्य प्रतिष्ठानों, विभागों से भी होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा संगठन के स्वयं सेवकों को सुरक्षा एवं अन्य व्यवस्था हेतु तैनात किया जाता है।

4- प्रत्येक ग्राहक समूह को सेवा उपलब्ध कराने का विवरण (Details of services provided to each client group) :-

शान्ति व्यवस्था बनाये रखने हेतु प्रायः पुलिस अधीक्षकों को पुलिस के सहायक के रूप में होमगार्ड्स स्वयं सेवकों की आवश्यकता होती है जिसके लिये पुलिस अधीक्षक जिलाधिकारी तथा इस मुख्यालय से होमगार्ड्स स्वयं सेवकों को उपलब्ध कराने हेतु मांग करते हैं। जिलाधिकारियों को अपने जनपद में एक सीमित एवं निर्धारित संख्या में होमगार्ड्स स्वयं सेवकों को ड्यूटी पर लगाने की स्वीकृति प्रदान करने का अधिकार है। अतिरिक्त रूप से एक निर्धारित संख्या में मण्डलायुक्त भी होमगार्ड्स को ड्यूटी पर तैनात करने की स्वीकृति प्रदान करने का अधिकार है।

निर्धारित संख्या के अतिरिक्त होमगार्ड्स की ड्यूटियों की आवश्यकता होने पर विभागाध्यक्ष होमगार्ड्स की ड्यूटियों की स्वीकृति प्रदान करते हैं।

इसी प्रकार अन्य प्रतिष्ठानों एवं विभागों में होमगार्ड्स की आवश्यकता होने पर उनकी मांग के अनुसार होमगार्ड्स की ड्यूटियों की स्वीकृति विभागाध्यक्ष प्रदान करते हैं।

होमगार्ड्स मुख्यालय उपरोक्त प्रशासनिक/अन्य प्रतिष्ठान/अन्य विभागों की मांग की स्वीकृति दो दिन के अन्दर प्रदान कर देता है।


नागरिक सुरक्षा विभाग का मुख्य कार्य यद्यपि हवाई आक्रमण के समय कार्य करना है यद्यपि नागरिक सुरक्षा का मुख्य कार्य हवाई आक्रमण के कारण होने वाली क्षति को कम करना है तथापि शान्तिकाल में भी यह विभाग नागरिक, प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन को अपेक्षित सहयोग प्रदान करता है। विभिन्न क्षेत्रों में नागरिकों एवं स्कूल-कॉलेजों के छात्र-छात्राओं को बचाव, अग्निशमन एवं प्राथमिक सहायता में प्रशिक्षण प्रदान कर एक करता है, निकट भविष्य में इस विभाग को आपदा प्रबन्धन व न्यूनीकरण विभाग ने प्रशिक्षण का उत्तरदायित्व सौंपे जाने पर कार्य चल रहा है।

5- शिकायतों के निवारण की व्यवस्था (Details of grievance redressal mechanism and how to access it) :-

यदा कदा नागरिकों अथवा विभागीय स्वयं सेवकों द्वारा जो शिकायतें की जाती हैं उन्हें तत्काल दूर करने हेतु कदम उठाये जाते हैं और उनपर कार्यवाही सुनिश्चित की जाती है।

6- ग्राहकों से आशा (Expectations from the clients) :-

होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा विभाग के सदस्य स्वयं सेवक होते हैं। यह सदस्य प्रायः पुलिस के सहायक के रूप में काम करते हैं किन्तु पुलिस कर्मी इन्हें अपने सहायक के रूप में न समझते हुये अपने नौकर के रूप में प्रयोग करते हैं। सामान्य जन मानस में इन्हे दीन एवं हीन भावना से देखा जाता है जबकि ये निस्वार्थ एवं निष्काम सेवा के उद्देश्यों से प्रेरित होकर राष्ट्र एवं समाज की सेवा करते हैं। इन सदस्यों को सम्मान के दृष्टिकोण से देखा जाना ही विभाग की आशा है।


रakesh मिश्रा
आई.पी.एस.